प्रतिदर्श प्रश्नपत्र, 2022-23

विषय-हिंदी, कोर्स-ए (कोड-002)

Sample Paper - 4

निर्धारित समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

सामान्य निर्देश :

(1) इस प्रश्नपत्र में दो खंड हैं- खंड 'क' और ख'। खंड-क में वस्तुपरक/बहविकल्पी और खंड-ख में वस्तुनिष्ठ/वर्णनात्मक प्रश्न दिए गए हैं।

(2) प्रश्नपत्र के दोनों खंडों में प्रश्नों की संख्या 17 है और सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(3) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमानुसार लिखिए।

(4) खंड 'क' में कुल 10 प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या 49 है। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 40 उपप्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(5) खंड 'ख' में कुल 7 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं। निर्देशानुसार विकल्प का ध्यान रखते हुए सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिंदगी होती हे। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहस के साथ यदि धैर्य का संयोग हो तो इसे मणिकांचन योग माना जाता है। जीवन में जब विपरीत परिस्थितियाँ आएँ तो हमें साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'असमय के सखा' के रूप में धैर्य और साहस दोनों को बनाए रखने पर बल दिया है।

(i) क्रांति करने वाले लोगों की पहचान है -

i. दूसरों से अपने उद्देश्य की तुलना न करना
ii. पड़ोसी को देखकर अपनी चाल को मद्धिम न बनाना
iii. विपरीत परिस्थितियों का सामना करना
iv. जनमत की उपेक्षा न करना

क) कथन i, ii व iii सही हैं ख) कथन i, ii व iv सही हैं

ग) कथन ii व iv सही हैं घ) कथन i व ii सही हैं

(ii) साहसी व्यक्ति की असली पहचान क्या है?

क) वह निशंक तथा निष्पाप होता है।

ख) वह निष्पाप व निडर होता है।

ग) वह निर्मम तथा बेखौफ होता है।

घ) वह निडर तथा बेखौफ होता है।

(iii) कैसा व्यक्ति दुनिया की असली ताकत होता है?

क) जनमत से वोट की उम्मीद् करके आगे बढ़ने वाला

ख) जनमत की राय की परवाह करके आगे बढ़ने वाला

ग) जनमत की सहमति से आगे बढ़ने वाला

घ) जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला

(iv) क्रांति करने वाले लोगों की विशेषता है-

क) लोगों के वोट से जीता हुआ व्यक्ति।

ख) लोगों को साथ लेकर चलने वाला।

ग) साहसी होना और दूसरों का अनुसरण नहीं करते।

घ) निडर, साहसी और पक्षपाती।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): जनमत की उपेक्षा न करने वाला ही दुनिया की असली ताकत होता है।
कथन (R): साहसी मनुष्य जनमत की उपेक्षा कर जीता है।

क) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) **हालदार साहब को उधर से गुजरते समय मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।** मिश्र वाक्य में बदलिए।

i. जब हालदार साहब उधर से गुजर रहे थे, तब उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।
ii. हालदार साहब उधर से गुजरे और मूर्ति में उन्हें कुछ अंतर दिखाई दिया।
iii. हालदार साहब उधर से गुजरे। मूर्ति में उन्हें कुछ अंतर दिखाई दिया।
iv. हालदार साहब को मूर्ति में हर बार कुछ अंतर दिखाई देता इसलिए वे हर बार उधर से गुजरते।

क) विकल्प (iii)

ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (i)

घ) विकल्प (iv)

(ii) मैं नहीं जानता कि <u>इस संन्यासी ने कभी क्या सोचा था</u>। रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए ।

क) क्रिया आश्रित उपवाक्य
ख) विशेषण आश्रित उपवाक्य
ग) सभी विकल्प सही हैं
घ) संज्ञा आश्रित उपवाक्य

(iii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य है-

i. नीरजा बहुत प्रसन्न थी, क्योंकि उसे पुरस्कार मिला था।
ii. घर आते ही राजेश अपने मित्र से मिलने चला गया।
iii. यद्यपि मिराज की गलती नहीं थी, फिर भी उसे दंड मिला।
iv. अध्यापक ने चपरासी को बुलाया और फाइल उसे दे दी।

क) विकल्प (i)
ख) विकल्प (iv)
ग) विकल्प (ii)
घ) विकल्प (iii)

(iv) तुलसीदास ने कहा है कि विनाशकाल में मनुष्य की बुद्धि भ्रष्ट हो जाती है। इस वाक्य में वाक्य भेद है-

क) मिश्र वाक्य
ख) समूह वाक्य
ग) संयुक्त वाक्य
घ) सरल वाक्य

(v) **मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालकर बाहर रखते जाते थे।** संयुक्त वाक्य में बदलिए-

क) मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते थे।
ख) मोहनदास, गोकुलदास जो सामान निकालते थे वे बाहर रखते जाते थे।
ग) सभी विकल्प सही हैं।
घ) मोहनदास, गोकुलदास सामान बाहर रखते जाते थे और निकालते थे।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना,
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस मन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर

क्योंकि नहीं मिट पाई दु:ख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किंतु आ रही नई ज़िंदगी
यह विश्वास अमर है।
जन-गंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवाहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।
-- गिरिजा कुमार माथुर

(i) काव्यांश में देश के पहरादारों से क्या अपेक्षा की जा रही है -

i. देश की सुरक्षा के लिए सतर्क रहने की
ii. देश के नवनिर्माण के लिए प्रयास करने की
iii. देशवासियों को समृद्ध करने की
iv. पराधीनता में हानि करने की

क) कथन ii व iii सही हैं
ख) कथन i व ii सही हैं
ग) कथन ii व iv सही हैं
घ) कथन i, ii व iii सही हैं

(ii) कवि **पहरुए** कह रहा है

क) पहरा देने वालों को
ख) पहर में जागने वालों को
ग) देश की जनता को
घ) देश की स्वतंत्रता की परवाह न करने वालों को

(iii) **शत्रु हट गया, लेकिन उसकी छायाओं का डर है** द्वारा कवि को लगता है कि

क) छायाओं से हमें नहीं डरना चाहिए।
ख) एक शत्रु तो चला गया, किंतु कई और शत्रु (जैसे-पाकिस्तान) पैदा हो गए हैं।
ग) छायाएँ हमेशा डराती हैं।
घ) शत्रु की छाया अधिक डरा रही है।

(iv) **शोषण से मृत है समाज, कमजोर हमारा घर है** पंक्ति में कवि कहना चाहता है कि

क) हमारे सामने चुनौतियाँ हैं　　ख) हम खुशी तनिक भी न मनाएँ

ग) हम अधिक खुशी न मनाएँ　　घ) हम खुशी मनाना नहीं रोकें

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): स्वतंत्र देश में दीपक के समान अचल रहकर इसे प्रकाशित करना नागरिकों का प्रथम कर्तव्य है।
कथन (R): पराधीनता के समय हुआ देश का शोषण और अभाव को दूर करने के लिए देशवासियों का सहयोग आवश्यक है।

क) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।

ख) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

ग) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: **[5]**

जब बचपन तुम्हारी गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिंदगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर,
जोर आजमाने लगें
जब मासूम आँखों में
खौफ़ नज़र आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
जब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो ...
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दुनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू,
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट-फूटकर
शर्म से झुकनी चाहिए थीं, इंसानी सभ्यता की गर्दनें
शोक का नहीं, सोच का वक्त है
मातम नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।

-- प्रसून जोशी

(i) निम्नलिखित कथनों की सत्यता पर विचार कीजिए -

i. माँ की कोख से झांकती हुई जिंदगी को घबराहट हो रही है।
ii. माँ की कोख से झांकती हुई जिंदगी को बाहर असुरक्षा का आभास हो रहा है।
iii. उसकी माँ ने उसे बाहर की वास्तविकता बताई है।
iv. बाहर का मौसम उसके अनुकूल नहीं है।

क) कथन i व ii सही हैं
ख) कथन ii व iv सही हैं
ग) कथन ii व iii सही हैं
घ) कथन i व iii सही हैं

(ii) जब तलवारें फूलों पर जोर आज़माने लगें, जब मासूम आँखों में खौफ नज़र आने लगे-का तात्पर्य है-

क) जब मासूम आपस में लड़ने लगें।
ख) जब मासूम बच्चों को भय के बिना रहना पड़े।
ग) जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।
घ) मानव अपने स्वार्थ के लिए उद्यान उजाड़ने लगे।

(iii) कवि के अनुसार बहुत गलत कब है?

क) जब ओस तलवार की नोक पर गिरे।
ख) जब मासूम सहम जाएँ।
ग) जब बचपन समाप्ति की कगार पर हो।
घ) जब किलकारियों की गूँज खामोश हो जाए।

(iv) कुछ भी गलत नहीं है, यदि-

क) बच्चों पर अत्याचार होने लगे।
ख) बालश्रम बढ़ जाए।
ग) भ्रूण हत्या होने लगे।
घ) बचपन गोद में आने लगे।

(v) कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनिए –
कथन (A): जब मासूम पर अत्याचार होता है तो उसकी आँखों में खौफ़ नज़र आने लगता है।
कथन (R): अभी भी सोच - विचार करने का समय है ताकि बचपन खिलखिला सके।

क) कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
ख) कथन (A) और कारण (R) दोनों ही गलत हैं।
ग) कथन (A) सही है किन्तु कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।
घ) कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) वहाँ **दस** छात्र बैठे हैं। रेखांकित पद का परिचय है-

क) स्थानवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

ख) रीतिवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

ग) कालवाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

घ) संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(ii) **<u>तेज</u>** दौड़ती हुई बच्ची को उसने पकड़ लिया। रेखांकित पद है-

क) विशेषण पद

ख) सर्वनाम पद

ग) क्रियाविशेषण पद

घ) क्रिया पद

(iii) **<u>आप</u>** चुप रहिए - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा-

क) मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

ख) अकर्मक क्रिया, द्विवचन, पुल्लिंग

ग) सर्वनाम, संज्ञा, वर्तमान काल

घ) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया

(iv) **<u>बालक</u>** कक्षा में पढ़ रहा है। वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय बताइए।

क) संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन

ख) समुदायवाचक, स्त्रीलिंग, एकवचन

ग) संज्ञा (व्यक्तिवाचक), पुल्लिंग, बहुवचन

घ) समुदायवाचक, पुल्लिंग, एकवचन

(v) हिन्दुस्तान वह सब कुछ है जो आपने समझ रखा है, लेकिन वह भी इससे भी **<u>बहुत</u>** ज्यादा है। दिए गए रेखांकित पद का परिचय है-

क) अव्यय, समुच्चय बोधक, परिमाणवाचक।

ख) विशेषण, परिमाणवाचक, 'ज्यादा' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग।

ग) विशेषण, संख्यावाचक, 'ज्यादा ' विशेष्य, बहुवचन, पुल्लिंग।

घ) अव्यय, क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'है' क्रिया से संबंधित।

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) दिवसावसान का समय मेघमय आसमान से उतर रही है
वह संध्या-सुन्दरी परी-सी धीरे-धीरे-धीरे।
उक्त पद्य में कौन-सा अलंकार है?

क) रूपक और मानवीकरण दोनों

ख) उपमा

ग) यमक और श्लेष दोनों घ) श्लेष

(ii) हनुमान की पूंछ में लगन न पाई आग, लंका सिगरी जल गई गए निशाचर भाग।
उपर्युक्त पंक्ति में कौन–सा अलंकार है?

क) रूपक ख) उपमा

ग) उत्प्रेक्षा घ) अतिशयोक्ति

(iii) संदेसनि मधुवन-कूप भरे।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है-

क) श्लेष ख) अतिश्योक्ति

ग) उपमा घ) यमक

(iv) निम्नलिखित पंक्ति में अलंकार बताइए-
राणा प्रताप के घोड़े से पड़ गया हवा का पाला था।

क) यमक अलंकार ख) उपमा अलंकार

ग) रूपक अलंकार घ) अतिश्योक्ति अलंकार

(v) **राम नाम-अवलंब बिनु परमार्थ की आस,**
बरसत बारिद बूँद गहि चाहत चढ़न अकास।
पंक्ति में कौन-सा अलंकार है?

क) अनुप्रास अलंकार ख) यमक अलंकार

ग) उत्प्रेक्षा अलंकार घ) मानवीकरण अलंकार

6. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए- **[4]**

(i) निम्न में से भाववाच्य है-

i. मयंक द्वारा चीनी भाषा नहीं पढ़ी जा सकती है।
ii. मेरे द्वारा दीपावली पर मिट्टी के दीप जलाए जाएँगे।
iii. उसके द्वारा रातभर कैसे जागा ज़ाएगा?
iv. वीरेन्द्र सहवाग ने क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

क) विकल्प (iv) ख) विकल्प (ii)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (i)

(ii) विद्यार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई। कर्तृवाच्य में बदलिए।

क) विद्यार्थियों से परीक्षा दी जायेगी ख) विद्यार्थियों ने परीक्षा दी

ग) विद्यार्थियों को परीक्षा दी गई घ) विद्यार्थियों से परीक्षा दी जाती थी

(iii) निम्न में से कौन-सा वाक्य कर्तृवाच्य नहीं है?

i. वह उठ-बैठ नहीं सकता।।

ii. उससे उठा-बैठा नहीं जाता।

iii. कवयित्री ने कविता पाठ किया।

iv. इनमें से कोई नहीं

क) विकल्प (i) ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (iv) घ) विकल्प (ii)

(iv) निम्नलिखित में से कौन-सा कर्मवाच्य का सही विकल्प नहीं है?

i. यह दृश्य अब देखा नहीं जाता।

ii. विपिन द्वारा साइकिल चलाई गई।

iii. नीरा द्वारा लेखन कार्य किया गया।

iv. वैभव द्वारा सीटी बजाई जाती है।

क) विकल्प (i) ख) विकल्प (iv)

ग) विकल्प (iii) घ) विकल्प (ii)

(v) **विराट कोहिली द्वारा गेंद पकड़ी जाती है।** वाच्य का भेद बताइए-

क) इनमें से कोई नहीं ख) भाव वाच्य

ग) कर्म वाच्य घ) कर्तृ वाच्य

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबन्धिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

(i) प्रस्तुत गद्यांश के लेखक का नाम लिखिए।

क) विष्णु प्रभाकर ख) प्रेमचंद

ग) रामवृक्ष बेनीपुरी घ) इनमें से कोई नहीं

(ii) भगत की पुत्रवधू में क्या गुण था?

क) वह घर के प्रबन्ध में कुशल थी ख) वह सुन्दर व सुशील थी

ग) घर की जिम्मेदारी को सँभालने वाली थी

घ) सभी विकल्प सही हैं

(iii) **निवृत्त** शब्द में से उपसर्ग व मूल शब्द अलग कीजिए-

क) निवृ + त्त

ख) निर् + वत्त

ग) न + इवृत्त

घ) नि + वृत्त

(iv) बालगोबिन भगत का पुत्र कैसा था?

i. सुस्त और बोदा
ii. सुस्त और क्रोधी
iii. फुर्तीला और बलवान
iv. लम्बा-चौड़ा और हँसमुख

क) विकल्प (iv)

ख) विकल्प (iii)

ग) विकल्प (ii)

घ) विकल्प (i)

(v) बालगोबिन भगत के कितने बेटे थे?

क) तीन

ख) दो

ग) चार

घ) एक

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:** **[5]**

हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जो हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(i) गोपियों के अनुसार राजनीति कौन पढ़ आए हैं?

क) श्रीकृष्ण

ख) उद्धव

ग) ब्रज के लोग

घ) मथुरा के लोग

(ii) गोपियों के अनुसार पहले के लोग भले क्यों थे?

क) उनसे किसी को कष्ट नहीं था

ख) उन्हें योग-संदेश से मतलब नहीं था

ग) उनमें संवेदना थी

घ) वे परोपकारी थे

(iii) सच्चा राजधर्म क्या है?

क) प्रजा को सताया न जाना
ख) प्रजा के साथ अन्याय करना
ग) प्रजा की रक्षा न करना
घ) प्रजा के हित का ध्यान रखना

(iv) **गुरु ग्रंथ** किसने पढ़ लिया है?

क) मथुरा के लोगों ने
ख) उद्धव ने
ग) श्रीकृष्ण ने
घ) गोपियों ने

(v) **जोग** कैसा शब्द है?

क) विदेशी
ख) तद्भव
ग) देशज
घ) तत्सम

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) **एक कहानी यह भी** पाठ की लेखिका के पिता ने उसका रौब देखकर क्या अनुभव किया?

क) प्रसन्नता
ख) क्रोध
ग) चिंता
घ) गर्व

(ii) **नौबतखाने में इबादत** पाठ के अनुसार कैसे कहा जा सकता है कि बिस्मिल्ला खाँ को संगीत की प्रेरणा रसूलनबाई और बतूलनबाई नामक दो बहिनों से मिली?

क) इस गायन में एक विशेष मोहकता थी।
ख) इनका गायन बहुत उत्कृष्ट था।
ग) इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है।
घ) यह गायन प्रायः उन्हें सुनने को मिलता था।

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए- **[2]**

(i) **अट नहीं रही है** कविता अनुसार वन के वैभव में क्या कूट-कूटकर भरा हुआ है?

क) नदियाँ और झरने
ख) मैदान और पहाड़
ग) पेड़ और पौधे
घ) शोभा और सौंदर्य

(ii) **आत्मकथ्य** काव्य अनुसार **सीवन** को उधेड़ने का अर्थ है-

क) हृदय को चीरकर दिखाना
ख) मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना

ग) दिल को ठेस पहुँचाना | घ) दूध का दूध पानी का पानी कर देना

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) **बहु धनुही तोरी लरिकाई** - यह किसने कहा और क्यों?

(ii) किसी भी क्षेत्र में संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर क्यों नहीं पहुँच पाते होंगे?

(iii) **आत्मकथ्य** काव्य में उन कारणों का उल्लेख कीजिए, जिनसे कवि को उज्ज्लव गाथा गाने में कठिनाई हो रही है?

(iv) घर में आए अतिथि को देखकर बच्चे के मन में क्या-क्या भाव उत्पन्न होते हैं? 'दंतुरित मुसकान' के आधार पर उत्तर दीजिए।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए- **[6]**

(i) लखनवी अंदाज़ पाठ के आधार पर बताइए की लोग यथार्थ को स्वीकार करने से क्यों डरते हैं?

(ii) **संस्कृति** पाठ के अनुसार प्रज्ञा और मैत्री भाव किस नए तथ्य के दर्शन करवा सकते हैं और उनकी क्या विशेषता है?

(iii) एक कहानी यह भी पाठ के आधार पर विचार दीजिए कि गरीबी के कारण मनुष्य स्वभाव में परिवर्तन स्वयमेव ही आ जाते हैं?

(iv) कस्बे में घुसने से पहले हालदार साहब के मन में क्या ख्याल आया और क्यों?

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए- **[8]**

(i) **मैं क्यों लिखता हूँ?** पाठ के अनुसार अणु-बम के विस्फोट के प्रभाव को देखकर भी लेखक ने तत्काल कुछ नहीं लिखा। क्यों?

(ii) 'काश कश्मीर के साथ भी ऐसा सहज विलय हो जाता' लेखिको मधु कांकरिया का इस बात को कहने के पीछे क्या उद्देश्य निहित है ? आपके मन में कश्मीर की स्थिति पर विचार करके क्या अनुभव होता है?

(iii) माता का अँचल पाठ में आए ऐसे प्रसंगों का उल्लेख कीजिए जो आपके दिल को छू गए हो।

14. बस कंडक्टर के दुर्व्यवहार की शिकायत करते हुए मंगलापुरी डिपो के प्रबंधक को पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

आप स्वामी विवेकानंद छात्रावास, श्रीगंगानगर के राज कुमार हो, अपने पिता जी को पत्र लिखिए जिसमें मनीऑर्डर मिलने, पढ़ाई ठीक होने तथा दशहरे की छुट्टियों में घर आने की सूचना हो ।

15. एक निजी विद्यालय में हिंदी के शिक्षक की आवश्यकता है। इस पद हेतु अपनी योग्यता का विवरण देते हुए स्ववृत सहित आवेदन पत्र लिखिए। **[5]**

अथवा

दूरदर्शन अधिकारी को कार्यक्रमों में सुधार हेतु सुझाव के लिए ईमेल लिखिए।

16. आपने अपने शहर में डिजाइनर बुटिक खोला है। उसके प्रचार के लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। **[4]**

अथवा

आपके दादा जी घर पर नहीं है और उनके मित्र का फोन आता है, उन्हें 30-40 शब्दों में संदेश लिखिए।

17. **आत्मनिर्भरता** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए। **[6]**

अथवा

सफलता की कुंजी : मन की एकाग्रता विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- भूमिका
- सतत् अभ्यास
- सफलता की कुंजी

अथवा

पहला सुख-निरोगी काया विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर अनुच्छेद लिखिए।

- आशय
- व्यायाम और स्वास्थ्य
- समाज को लाभ

Solution

खंड - अ (बहुविकल्पी / वस्तुपरक प्रश्न)

1. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
साहस की जिन्दगी सबसे बड़ी जिंदगी होती हे। ऐसी जिंदगी की सबसे बड़ी पहचान यह है कि वह बिल्कुल निडर, बिल्कुल बेखौफ होती है। साहसी मनुष्य की पहली पहचान यह है कि वह इस बात की चिंता नहीं करता कि तमाशा देखने वाले लोग उसके बारे में क्या सोच रहे हैं। जनमत की उपेक्षा करके जीने वाला आदमी दुनिया की असली ताकत होता है और मनुष्यता को प्रकाश भी उसी आदमी से मिलता है। अड़ोस-पड़ोस को देखकर चलना, यह साधारण जीव का काम है। क्रांति करने वाले लोग अपने उद्देश्य की तुलना न तो पड़ोसी के उद्देश्य से करते हैं और न ही अपनी चाल को ही पड़ोसी की चाल देखकर मद्धिम बनाते हैं। साहसी मनुष्य उन सपनों में भी रस लेता है जिन सपनों का कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। साहस के साथ यदि धैर्य का संयोग हो तो इसे मणिकांचन योग माना जाता है। जीवन में जब विपरीत परिस्थितियाँ आएँ तो हमें साहस और धैर्य से उनका सामना करना चाहिए। गोस्वामी तुलसीदास जी ने भी 'असमय के सखा' के रूप में धैर्य और साहस दोनों को बनाए रखने पर बल दिया है।

(i) **(क)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं
(ii)**(घ)** वह निडर तथा बेखौफ होता है।
व्याख्या: वह निडर तथा बेखौफ होता है।
(iii)**(घ)** जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला
व्याख्या: जनमत की उपेक्षा करके आगे बढ़ने वाला
(iv)**(ग)** साहसी होना और दूसरों का अनुसरण नहीं करते।
व्याख्या: साहसी होते हैं और दूसरों का अनुसरण नहीं करते।
(v)**(ख)** कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।
व्याख्या: कथन (A) गलत है किन्तु कारण (R) सही है।

2. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** विकल्प (i)
व्याख्या: जब हालदार साहब उधर से गुजर रहे थे, तब उन्हें मूर्ति में कुछ अंतर दिखाई दिया।
(ii)**(घ)** संज्ञा आश्रित उपवाक्य
व्याख्या: संज्ञा आश्रित उपवाक्य
(iii)**(घ)** विकल्प (iii)
व्याख्या: यद्यपि मिराज की गलती नहीं थी, फिर भी उसे दंड मिला।
(iv)**(क)** मिश्र वाक्य
व्याख्या: मिश्र वाक्य
(v)**(क)** मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते थे।
व्याख्या: मोहनदास, गोकुलदास सामान निकालते थे और बाहर रखते जाते थे।

3. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

आज जीत की रात
पहरुए, सावधान रहना,
खुले देश के द्वार
अचल दीपक समान रहना।
प्रथम चरण है नए स्वर्ग का
है मंजिल का छोर
इस मन-मंथन से उठ आई
पहली रतन हिलोर
अभी शेष है पूरी होना
जीवन मुक्ता डोर
क्योंकि नहीं मिट पाई दु:ख की
विगत साँवली कोर
ले युग की पतवार
बने अंबुधि महान रहना
पहरुए सावधान रहना
ऊँची हुई मशाल हमारी
आगे कठिन डगर है
शत्रु हट गया, लेकिन उसकी
छायाओं का डर है
शोषण से मृत है समाज
कमजोर हमारा घर है
किंतु आ रही नई ज़िदगी
यह विश्वास अमर है।
जन-गंगा में ज्वार
लहर तुम प्रवाहमान रहना
पहरुए, सावधान रहना।
-- गिरिजा कुमार माथुर

(i) **(घ)** कथन i, ii व iii सही हैं
व्याख्या: कथन i, ii व iii सही हैं

(ii)**(ग)** देश की जनता को
व्याख्या: यहाँ प्रयुक्त 'पहरुए' शब्द का अभिप्राय प्रहरी से है, जो देश के सभी नागरिक हैं। देश के सभी नागरिकों का कर्त्तव्य है कि वे देश की स्वतंत्रता की रक्षा करें।

(iii)**(ख)** एक शत्रु तो चला गया, किंतु कई और शत्रु (जैसे-पाकिस्तान) पैदा हो गए हैं।
व्याख्या: इस पंक्ति के माध्यम से कवि कहना चाह रहा है कि देश के शत्रु अंग्रेज़ तो देश छोड़कर चले गए, लेकिन जाते-जाते वे 'पाकिस्तान' नामक देश बनाकर लोगों के मन में धार्मिक वितृष्णा के बीज बो गए।

(iv)**(क)** हमारे सामने चुनौतियाँ हैं
व्याख्या: कवि कहना चाहता है कि हमारे देश में, भारतीय समाज में अभी भी शोषण विद्यमान है। जिससे हमें निपटना होगा, क्योंकि अभी हमारे सामने अनेक चुनौतियाँ मौजूद हैं।

(v)**(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

अथवा

अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:

जब बचपन तुम्हारी गोद में
आने से कतराने लगे,
जब माँ की कोख से झाँकती जिंदगी
बाहर आने से घबराने लगे,
समझो कुछ गलत है।
जब तलवारें फूलों पर,
जोर आजमाने लगें
जब मासूम आँखों में
खौफ़ नज़र आने लगे
समझो कुछ गलत है।
जब किलकारियाँ सहम जाएँ
जब तोतली बोलियाँ, खामोश हो जाएँ, समझो ...
कुछ नहीं, बहुत कुछ गलत है
क्योंकि जोर से बारिश होनी चाहिए थी,
पूरी दुनिया में, हर जगह, टपकने चाहिए थे आँसू,
रोना चाहिए था ऊपर वाले को, आसमाँ से फूट-फूटकर
शर्म से झुकनी चाहिए थीं, इंसानी सभ्यता की गर्दनें
शोक का नहीं, सोच का वक्त है
मातम नहीं, सवालों का वक्त है
अगर इसके बाद भी सर उठा कर
खड़ा हो सकता है इंसान
समझो कि बहुत कुछ गलत है।
-- प्रसून जोशी

(i) **(क)** कथन i व ii सही हैं
व्याख्या: कथन i व ii सही हैं

(ii)**(ग)** जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।
व्याख्या: जब मासूमों पर अत्याचार होने लगे।

(iii)**(घ)** जब किलकारियों की गूँज खामोश हो जाए।
व्याख्या: जब किलकारियों की गूँज खामोश हो जाए।

(iv)**(घ)** बचपन गोद में आने लगे।
व्याख्या: बचपन गोद में आने लगे।

(v)**(घ)** कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।
व्याख्या: कथन (A) सही है और कारण (R) कथन (A) की सही व्याख्या है।

4. निर्देशानुसार 'पद परिचय' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(घ)** संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।
व्याख्या: संख्यावाचक विशेषण, पुल्लिंग, बहुवचन, 'छात्र' विशेष्य का विशेषण।

(ii)**(ग)** क्रियाविशेषण पद

व्याख्या: क्रियाविशेषण पद

(iii)**(क)** मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक

व्याख्या: आप - मध्यम पुरुषवाचक सर्वनाम है। सम्मानीय शब्द होने के कारण इसका प्रयोग प्रायः बहुवचन के लिए होता है। वाक्य में इसका प्रयोग कर्ता के रूप में होने के कारण यह कर्ता कारक है।

(iv)**(क)** संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन

व्याख्या: संज्ञा (जातिवाचक), पुल्लिंग, एकवचन

(v)**(घ)** अव्यय, क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'है' क्रिया से संबंधित।

व्याख्या: अव्यय, क्रिया विशेषण, परिमाणवाचक, 'है' क्रिया से संबंधित।

5. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(क)** रूपक और मानवीकरण दोनों

व्याख्या: रूपक और मानवीकरण दोनों

(ii)**(घ)** अतिशयोक्ति

व्याख्या: अतिशयोक्ति अलंकार I स्पष्टीकरण - उपर्युक्त पंक्ति में बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया गया है कि हनुमान की पूंछ में आग लगने से पहले ही लंका जल गई और राक्षस भाग गए।

(iii)**(ख)** अतिश्योक्ति

व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

(iv)**(घ)** अतिश्योक्ति अलंकार

व्याख्या: अतिश्योक्ति अलंकार

(v)**(क)** अनुप्रास अलंकार

व्याख्या: अनुप्रास अलंकार

6. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच बहुविकल्पी प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(i) **(ग)** विकल्प (iii)

व्याख्या: उसके द्वारा रातभर कैसे जागा ज़ाएगा?

(ii)**(ख)** विद्यार्थियों ने परीक्षा दी

व्याख्या: विद्यार्थियों ने परीक्षा दी

(iii)**(घ)** विकल्प (ii)

व्याख्या: उससे उठा-बैठा नहीं जाता।

(iv)**(क)** विकल्प (i)

व्याख्या: यह दृश्य अब देखा नहीं जाता।

(v)**(ग)** कर्म वाच्य

व्याख्या: कर्म वाच्य

7. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**

बालगोबिन भगत की संगीत-साधना का चरम उत्कर्ष उस दिन देखा गया, जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा-सा था, किन्तु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी

शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबन्धिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहाँ फुरसत! किन्तु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है।

(i) **(ग)** रामवृक्ष बेनीपुरी
व्याख्या: रामवृक्ष बेनीपुरी
(ii)**(घ)** सभी विकल्प सही हैं
व्याख्या: सभी विकल्प सही हैं
(iii)**(घ)** नि + वृत्त
व्याख्या: नि + वृत्त
(iv)**(घ)** विकल्प (i)
व्याख्या: सुस्त और बोदा
(v)**(घ)** एक
व्याख्या: एक

8. **अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये:**
हरि हैं राजनीति पढ़ि आए।
समुझी बात कहत मधुकर के, समाचार सब पाए।
इक अति चतुर हुते पहिलैं ही, अब गुरु ग्रंथ पढ़ाए।
बढ़ी बुद्धि जानी जो उनकी, जोग-सँदेस पठाए।
ऊधौ भले लोग आगे के पर हित डोलत धाए।
अब अपनै मन फेर पाइहैं, चलत जो हुते चुराए।
ते क्यौं अनीति करैं आपुन, जे और अनीति छुड़ाए।
राज धरम तौ यहै 'सूर', जो प्रजा न जाहिं सताए।।

(i) **(क)** श्रीकृष्ण
व्याख्या: श्रीकृष्ण
(ii)**(घ)** वे परोपकारी थे
व्याख्या: वे परोपकारी थे
(iii)**(क)** प्रजा को सताया न जाना
व्याख्या: प्रजा को सताया न जाना
(iv)**(ग)** श्रीकृष्ण ने
व्याख्या: श्रीकृष्ण ने
(v)**(घ)** तत्सम
व्याख्या: तत्सम

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** गर्व
व्याख्या: गर्व
(ii)**(ग)** इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है।
व्याख्या: इस गायन के प्रति आसक्ति को उन्होंने स्वीकार किया है।

10. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित दो बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए-

(i) **(घ)** शोभा और सौंदर्य
व्याख्या: फाल्गुन मास में वन के वैभव में प्रकृति की शोभा और सौंदर्य कूट-कूटकर भरा होता है।
(ii) **(ख)** मन में छिपी पुरानी बातों को फिर से याद करना
व्याख्या: सीवन को उधेड़ना मन की गहराइयों में दबी बातों को पुनः प्रकाशित करना है।

खंड - ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) राजा जनक की इच्छा और विश्वामित्र की आज्ञा से जब राम ने शिव धनुष को भंग किया तो परशुराम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को सहस्रबाहु के समान अपना शत्रु बताया और राम-लक्ष्मण दोनों पर क्रोधित हो गये तब लक्ष्मण ने मुस्कुराते हुए परशुराम से कहा कि बचपन में हमने ऐसे बहुत से धनुष तोड़े हैं। तब तो आप क्रोधित नहीं हुए अतः अब एक पुराने धनुष के टूटने पर आपका क्रोधित होना व्यर्थ है।
(ii) संगतकार की पंक्ति वाले लोग प्रतिभावान होते हुए भी मुख्य या शीर्ष स्थान पर नहीं पहुँच पाते हैं क्योंकि सदैव सहायक के रूप में काम करते रहने से उनकी वैसी ही संकुचित आदत बन जाती है। जिससे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में अकेले में संकोच होता है। इस तरह उनके स्वभाव में साहस का अभाव हो जाता है। कई बार परिस्थितियां भी इतनी हावी हो जाती हैं कि संगतकार को मुख्य भूमिका नहीं मिल पाती और कई बार प्रतिभावान संगतकार राजनीति का शिकार भी हो जाते हैं। उनमें से कुछ लोग स्वयं को भाग्य के हवाले कर देते हैं कि किस्मत में होगा तो शीर्ष स्थान हासिल कर लेंगे
दूसरी तरफ मुख्य गायक भी समय के अनुसार इतना योग्य और सतर्क हो जाता है कि संगतकार को मुख्य गायक की भूमिका में आने का अवसर ही नहीं देता है क्योंकि शायद उन्हें ये डर बना रहता है कि कहीं ये संगतकार उनसे आगे न निकल जाए।
(iii) कवि के जीवन में थोड़ी मधुर स्मृतियाँ भी हैं। जीवन के उन कोमल पक्षों में किसी को भागीदार नहीं बनाना चाहता है, क्योंकि उन थोड़ी-सी मधुर स्मृतियों में दूसरों को आनंद प्रदान करने वाली कोई बात नहीं है। इससे वह स्वयं ही उपहास का पात्र बनेगा, यही कठिनाई उसके सामने है।
(iv) परिचित को देखकर शिशु के मन में प्रसन्नता, उत्सुकता, संकोच, शंका तथा अजनबीपन के भाव पैदा होते हैं। वह अतिथि को देखकर मंद-मंद हँसता है| उसके बारे में जानना चाहता है, नज़रें मिलने पर डरता है, रोता है, सकुचाता है तथा चुपके से कनखियों से देखता है।

12. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए-

(i) लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर लेखक ने नवाबों के सनकी व्यवहार पर व्यंग्य किया है। नवाब बड़े ही रईस होते थे। वे अपनी झूठी शान का दिखावा करके अपना रईसी अंदाज दिखाते थे। वे बहुत फिजूलखर्ची करते थे ।अपने झूठी शान का प्रदर्शन करने के लिए पैसों को पानी की तरह बहाते थे। इसीलिए भविष्य में उन्हें बुरे दिन देखने पड़े। अब उनका अस्तित्व समाप्त हो रहा है। अब वे यथार्थ का सामना नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें लगता है कि कहीं लोग

उनका सम्मान करना कम न कर दे ,उनकी झूठी शान शौकत फीकी ना पड़ जाए । इसलिए यथार्थ को स्वीकारने से डरते हैं।

(ii) मनुष्य अपने विवेक का प्रयोग करते हुए मैत्री-भाव से किसी नई वस्तु की खोजकर नए तथ्य के दर्शन करवा सकता है, जिसकी जानकारी समाज को पहले न थी। इस नए तथ्य की विशेषता यह है कि वह समूची मानवता के लिए कल्याणकारी होती है। इसकी खोज विश्वबंधुत्व की भावना से की जाती है।

(iii) इस संसार में गरीबी मनुष्य के लिए सबसे बड़ा अभिशाप है | इस अभिशाप के कारण मनुष्य कुंठित रहता है | वह अपने संपन्न दिनों को याद करता हुआ निराशा में जीवन यापन करता है | उसका वर्तमान के अभावों से भर जाता है जिससे वह उत्साहविहीन हो जाता है | अनेक बार इसका प्रभाव उसके व्यक्तित्व पर देखा जा सकता है | दया, करुणा, स्नेह, अपनत्व, प्रभुत्व, प्रसन्नता एक साथ खत्म हो जाते हैं। लेखिका के पिता के व्यक्तित्व में भी परिवर्तन होने के पीछे मूल कारण उनका गरीब होना ही था | उनके सभी सद्गुणों का स्थान घृणा, इर्ष्या, कुंठा, झुँझलाहट, अविश्वास आदि ने ले लिया था |

(iv) कस्बे में घुसने से पहले उनके मन में यह ख्याल आया कि कस्बे की सबसे महत्त्वपूर्ण जगह पर सुभाषचंद्र बोस की मूर्ति विराजमान होगी, परंतु सुभाष की आँखों पर चश्मा नहीं होगा। उनके ऐसा सोचने का कारण यह था कि मूर्ति बनाने वाला ड्राइंग मास्टर उस मूर्ति में चश्मा बनाना भूल गया था और मूर्ति की आँखों पर चश्मा लगाने वाला कैप्टन मर गया था। अतः अब मूर्ति की आँखों पर चश्मा होने की कोई संभावना नहीं थी।

13. पूरक पाठ्यपुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 -शब्दों में लिखिए-

(i) लेखक ने हिरोशिमा में हुए अणु-बम के विस्फोट के प्रभाव को प्रत्यक्ष देखा फिर भी कुछ नहीं लिखा। इसका कारण यह था कि लेखक के अनुभूति में कसर थी। अनुभूति-पक्ष के अभाव में लिखने से उतनी सार्थकता नहीं होती जितनी अनुभूति के होने पर होती है।

(ii) सिक्किम की राजधानी गंगटोक और उसके आगे हिमालय की यात्रा करते हुए लेखिका मधु कांकरिया सोचती है कि काश कश्मीर के साथ भी ऐसा सहज विलय हो जाता। कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग तो है परन्तु वहाँ शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए भारतीय सेना को तैनात किया गया है। लेकिन कुछ अलगाववादी संगठन भारत के जम्मू कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाना चाहते हैं और इसके लिए वे अलगाववादी ताकते आतंकवादियों को प्रश्रय देते हैं। और सीमा पार से आतंकवादियों की गतिविधियाँ कश्मीर में चल रही हैं। पाकिस्तान उन आतंवादियों को भारत के खिलाफ नैतिक एवं आर्थिक समर्थन दे रहा है, हथियार भी दे रहा है। और भारत के इस जम्मू कश्मीर राज्य को काफी समय से अशांत किए हुए है। जब तक हम सीमा पार चल रहे पाकिस्तान के आतंकवादियों के आतंकी ट्रेनिंग शिविरों को नष्ट नहीं कर देते तब तक स्वर्ग के समान दिखने वाला जम्मू कश्मीर में शांति नहीं हो सकती।
लेखिका यह कहना चाहती है कि जिस तरह सिक्किम का भारत के विलय हुआ और जनता ने उसे जिस रूप में स्वीकार किया काश जम्मू कश्मीर का भी इसी प्रकार का विलय भारत में हुआ होता तो यह अशांति देखने को नहीं मिलती। फिर से यहां धरती पर स्वर्ग वाली कहावत चरितार्थ हो जाती। लोगों में शांति और भाईचारा पनपने लगता। जनता में आतंकवाद का भाई समाप्त हो जाता।

(iii) पाठ में आए ऐसे प्रसंग जो दिल को छू गए हैं, निम्नलिखित है -

i. पिताजी द्वारा भोलानाथ से खट्टा और मीठा चुम्मा माँगना तथा पिताजी की मूँछों का भोलानाथ के कोमल गालों पर चुभने पर उसके द्वारा झुँझलाकर उनकी मूंछें खींचना।

ii. माँ द्वारा भोलानाथ को तोता, मैना, कबूतर, हंस, मोर आदि पक्षियों के बनावटी नाम से कौर बनाकर खिलाना और यह कहना कि यदि तुम नहीं खाओगे तो ये खाकर उड़ जाएँगे।
iii. बच्चों के खेल के बीच में पिताजी का शामिल होना और लजाकर बच्चों द्वारा खेल छोड़कर भाग जाना।
iv. भोलानाथ का अपने साथियों के साथ टीले पर चूहे के बिल में पानी डालना और अचानक एक बिल में से साँप का निकल आना और डरे-सहमे भोलानाथ के प्रति माँ-पिता का चिंतित होना।
v. माँ द्वारा भोलानाथ को पकड़ कर उसके बालों में तेल लगाना और उसके सुबकने पर पिताजी द्वारा उसे गोद मे उठाकर बाहर उसके मित्रों के पास ले जाना।

14. 252, मंगलापुरी गाँव
मंगलापुरी, दिल्ली।
27 फरवरी, 2019
प्रबंधक महोदय,
मंगलापुरी बस डिपो,
मंगलापुरी, दिल्ली।
विषय- कंडक्टर के दुर्व्यवहार के संबंध में
मान्यवर,
मैं आपका ध्यान आपके डिपो से प्रातः 8:40 बजे चलने वाली बस के कंडक्टर के दुर्व्यवहार की ओर ले जाना चाहता हूँ। यह बस धौला कुआँ, लाजपतनगर, आश्रम होते हुए मुद्रिका के रूट पर चलती है। बस का नंबर DL8 AP 0726 है। मैं नारायणा से लाजपत नगर प्रतिदिन जाता हूँ। मैं उस दिन अपनी नियत समय की बस न पकड़ सका। लगभग 08:55 पर इस बस में मैं नारायणा से सवार हुआ। कंडक्टर ने मुझे टिकट दिया और पचास रुपये में से बचे पैसे टिकट के पीछे लिख दिया। नारायणा से चलने के बाद यह बस सीधे धौला कुआँ स्टैंड पर रुकी। बीच के स्टैंड पर सवारियाँ होने पर भी ड्राइवर ने न बस रोकी, न कंडक्टर ने रुकने का संकेत दिया। इस तरह वह सरकारी राजस्व का नुकसान करता जा रहा था। उसके इस कृत्य का जब मैंने विरोध किया तो वह मुझसे झगड़ने लगा और झगड़ता तथा गाली-गलौच करता हुआ लाजपत नगर तक गया। उसने मेरे बचे पैसे भी वापस नहीं किया और जिस टिकट पर शेष राशि लिखी था, उसे फाड़कर फेंक दिया। आपसे प्रार्थना करता हूँ कि ऐसे बदतमीज कंडक्टर के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करने की कृपा करें ताकि भविष्य में वह अन्य यात्रियों के साथ ऐसा दुर्व्यवहार न कर सके।
सधन्यवाद।
भवदीय
रामाशीष

अथवा

स्वामी विवेकानंद छात्रावास
श्रीगंगानगर
30 फरवरी, 20XX
पूज्य पिता जी
सादर चरणस्पर्श।
कुशलोपरांत विदित हो कि आपका भेजा चार हजार रुपये का मनीऑर्डर तथा पत्र मिला। पत्र पढ़कर बहुत खुशी हुई कि आप सभी घर पर सानंद हैं।
पिता जी, आप द्वारा भेजा गया मनीऑर्डर समय से मिल गया था। इसमें से मैंने दो हजार रुपये

तुरंत फीस जमा करा दिए थे तथा एक हजार रुपये छात्रावास के लिए। मैंने पिछले पत्र में भी लिखा था कि मेरी पढ़ाई इस समय बहुत अच्छी चल रही है। पढ़ाई के लिए नियमित समय निकालने से मैंने सभी विषयों की अच्छी तरह तैयारी की। इससे मेरे सभी प्रश्नपत्र बहुत अच्छे हुए हैं। अभी उनका परिणाम नहीं आया है। आशा है कि 80% से अधिक अंक मिल जाएँगे। शिक्षकों का कहना है कि मेरी पढाई उत्तरोत्तर अच्छी हो रही है। आगामी 6 अक्टूबर से मेरी दशहरे की छुटटियाँ पड़ रही हैं। विद्यालय दस दिनों के लिए बंद रहेगा। इन छुटियों में मैं घर आकर आप सभी से मुलाकात करूँगा। शेष सब ठीक है।

पूज्या माता जी को चरण स्पर्श तथा सोमा को स्नेह कहना।

आपका आज्ञाकारी पुत्र,

राज कुमार।

15. सेवा में,

प्रबंधक महोदय,

ग्रीन वूड पब्लिक स्कूल,

नई दिल्ली

विषय- नौकरी के लिए आवेदन पत्र

महोदय,

विश्वस्त सूत्रों द्वारा यह पता चला है कि आपके विद्यालय में एक हिंदी शिक्षक की आवश्यकता है। इसके लिए मैं अपने को उपस्थित करता हूँ। मुझे हिंदी पढ़ना अच्छा लगता है। मैंने दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए. (हिंदी) परीक्षा पास की है। मुझे खेल कूद में भी काफी रूचि है। मेरी शैक्षणिक योग्यताएँ तथा परिचय इस प्रकार हैं-

- पिता का नाम - गौतम राणा
- जन्म तिथि - 10/०9/19190
- पत्र व्यवहार - 10, विकासपुरी, नई दिल्ली
- **शैक्षणिक योग्यताएँ-**
  - दिल्ली विश्वविद्यालय से एम.ए (हिंदी), 2010।
  - दिल्ली विश्वविद्यालय से बी.एड. 2012 में।
- **विशेष योग्यता-**
  - बी.ए में वि.वि. में प्रथम स्थान
  - खेलकूद में विशेष रूचि है।

अनुभव- वर्तमान में मैं इलाहाबाद के प्रतिष्ठित विद्यालय में कार्यरत हूँ। उसका एक प्रमाण पत्र भी संलग्न है।

यदि इस पद को संभालने का उत्तरदायित्व श्रीमान ने मुझे सौपा तो मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि मैं अपने कठिन परिश्रम से हिंदी और हिंदी के छात्रों को उच्च स्तर तक ले जाने का अथक प्रयास करुँगा।

भवदीय

गोविन्द राणा

10, विकासपुरी,

नई दिल्ली

दिनांकः 08 मई, 2019

अथवा

From : trl@gmail.com

To : dd87@gmail.com

CC ...
BCC ...
विषय - दूरदर्शन कार्यक्रमों हेतु सुझाव
महोदय,
दूरदर्शन देश के लाखों लोगों के मनोरंजन व ज्ञान का स्रोत है, किन्तु बच्चों और युवा वर्ग के लिए जो कार्यक्रम ज्ञानवर्धक हो सकते हैं, ऐसे कार्यक्रम दूरदर्शन पर न के बराबर दिखाये जाते हैं। यदि रविवार को प्रातः या दोपहर के समय विज्ञान या जनरल नॉलेज से सम्बन्धित कोई कार्यक्रम प्रसारित किया जाए तो यह विद्यार्थियों के लिए लाभदायक व रुचिकर सिद्ध होगा।
अतः आपसे अनुरोध है कि विद्यार्थी व युवा वर्ग को ध्यान में रखते हुए दूरदर्शन पर ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों का प्रसारण करें।
धन्यवाद
मानसी

16.

सम्पूर्ण कलेक्शनस बुटिक फॉर वुमेन

स्पेशलिस्ट
वैडिंग कलेक्शन
पार्टी कलेक्शन

- लहंगा-ओढ़नी
- डिज़ाइनर कुर्तियाँ
- पार्टी वेयर सूट
- डिज़ाइनर साड़ी

कम दाम, उचित काम
समय पर काम पूरा करने की गारंटी
पता-
E- 43 मिन्टो रोड,
नई दिल्ली
फोन नं. 982112XXXX

अथवा

संदेश

13 अक्तूबर, 2020
दोपहर 12.30 बजे
दादा जी
आप घर पर नहीं थे। आपके मित्र गोविन्द जी का फोन आया था। उन्होंने आपको कल सुबह 10:00 बजे उनके घर बुलाया है। मैंने उन्हें बताया आप दवाई लेने अस्पताल गए हैं। मैं अपने मित्र अंकित के घर खेलने जा रहा हूँ। चाबी पड़ोस वाली आंटी के पास रखी है।
गिरीश

17. आत्मनिर्भरता का अर्थ है-स्वयं पर निर्भर होना। अपनी शक्तियों के बल पर व्यक्ति सदा स्वतन्त्र तथा सुखी जीवन जीता है। ईश्वर भी उसी की सहायता करता है, जो अपनी सहायता अर्थात् अपना कार्य स्वयं करते हैं। इसके विपरीत जिन लोगों को दूसरों का आश्रय लेने की आदत पड़ जाती है, वे उन लोगों और आदतों के गुलाम बन जाते हैं। उनके भीतर सोई हुई शक्तियाँ मर जाती हैं। उनका आत्मविश्वास घटने लगता है। संकट के क्षण में ऐसे पराधीन व्यक्ति झट से घुटने टेकने को विवश हो जाते हैं। जिन्हें छड़ी से चलने का अभ्यास हो जाता है, उनकी टाँगों की शक्ति कम होने लगती है। इसलिए अन्य लोगों की बैसाखियों को छोड़कर अपने ही बल-बूते पैर मजबूत

करने चाहिए, क्योंकि संकट के क्षण में बैसाखियाँ काम नहीं आती। वहाँ अपनी शक्तियाँ, अपना रुधिर काम आता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही नये-नये कार्य सम्पन्न करने की हिम्मत कर सकता है। वह विश्वासपूर्वक अपना तथा समाज का भला कर सकता है। वही स्वयं को स्वतन्त्र अनुभव करता है तथा गौरव से जी सकता है। आत्मनिर्भर व्यक्ति ही स्वाभिमान से जी पाता है। जब तक हम दूसरों के सहारे पर टिके हैं तब तक हमें सम्मान नहीं मिल सकता।

अथवा

प्रत्येक कार्य करने के लिए परिश्रम की आवश्यकता होती है। किंतु अगर परिश्रम सार्थक दिशा में पूर्ण रूप से एकाग्र होकर किया जाए तो सफलता शीघ्र मिलती है और किया गया श्रम व्यर्थ नहीं जाता।

किसी भी कार्य को मेहनत से करने के साथ-साथ अभ्यास की भी आवश्यकता होती है। किसी भी कार्य को शुरू में करते समय हमें उसमें अधिक रुचि नहीं होती या फिर थोड़ा-सा कार्य करने के बाद उत्साह समाप्त होने लगता है। किन्तु यदि हम उस कार्य का निरंतर अभ्यास करते रहें तो वह कार्य करना हमारे लिए आसान तो हो ही जाएगा साथ ही मन ही एकाग्रचित होने लगेगा। इसलिए परिश्रम करने तथा चित्त को एकाग्र करने हेतु अभ्यास का होना अत्यंत आवश्यक है। किसी भी कार्य को करते समय मन का संपूर्ण रूप से उसी कार्य में लगे रहना, मेहनत से विचलित न होना तथा लक्ष्य तक पहुँचने के लिए निरंतर प्रयत्नशील रहना, मन को अन्य कार्यों की तरफ से खींचकर उसी कार्य की पूर्ति के लिए समर्पित रहना एकाग्रता कहलाता है। विद्वानों ने परिश्रम के साथ-साथ एकाग्रता को भी सफलता की कुंजी माना है। एकाग्रचित होकर कार्य करने से मेहनत करने में आनंद आता है, आत्मविश्वास बढ़ता है और सफलता निश्चित ही कदम चूमती है। अतः कहा जा सकता है कि श्रम मानव जीवन के सौन्दर्य को बढ़ाता है किंतु एकाग्रता से किया गया श्रम ही सफलता की कुंजी है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने लक्ष्य को एकाग्र होकर साधना चाहिए।

अथवा

प्रसिद्ध उक्ति पहला सुख-निरोगी काया का आशय है कि जिस व्यक्ति का शरीर स्वस्थ है, रोग रहित है वह व्यक्ति सबसे सुखी है। संसार के सभी सुखों में निरोगी काया का बड़ा सुख है। यदि शरीर स्वस्थ न हो तो संसार के सब वैभव फीके हैं। उनसे कोई आनंद प्राप्त नहीं होगा। शरीर को स्वस्थ बनाने के लिए व्यायाम करना जरूरी है। व्यायाम उन शारीरिक चेष्टाओं को कहते हैं जो शरीर को स्वस्थ तथा मजबूत बनाने के उद्देश्य से की जाती हैं। इस दृष्टि से खेलकूद भी मनोरंजक व्यायाम ही है। जिमनास्टिक, दौड़-कूद, ड्रिल, योग आदि भी व्यायाम के अंतर्गत आते हैं। व्यायाम करने से माँसपेशियाँ लचीली रहती हैं व रक्त संचार सुचारू रहता है। शिक्षा व मनोरंजन के दृष्टिकोण से भी व्यायाम का अत्यधिक महत्त्व है। व्यायाम समाज के हर वर्ग के लिए आवश्यक व लाभदायी है। हर आयु वर्ग के स्त्री-पुरुष व्यायाम कर सकते हैं। व्यायाम छात्रों व शिक्षकों के लिए अति उपयोगी है। इसकी महत्ता को ध्यान में रखते हुए विद्यालय में अनेक प्रकार के खेल-कूद व पी.टी. कराई जाती है। व्यायाम से मन भी पवित्र होता है। स्वस्थ शरीर व्यसनों को अपने पास नहीं फटकने देता। बचपन का व्यायाम शरीर को लंबे समय तक शक्ति देता रहता है। कहा भी गया है - स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास संभव है। स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मस्तिष्क से ही कोई भी व्यक्ति अपने समाज व राष्ट्र की प्रगति में सहयोग दे सकता है। वरना शरीर से बीमार और मन से अस्वस्थ व्यक्ति जब स्वयं का कल्याण नहीं कर सकता तो वह समाज का क्या कल्याण कर सकता है।